चल बसा सरिस्का का कसाई

डॉ. महेश परिमल

चुनाव के इस मौसम में एक खबर ने पर्यावरणविदों को राहत दी है। अब यदि यह कहा जाए कि संसारचंद चल बसा, तो किसी को आश्चर्य नहीं होगा। पर जो संसारचंद को जानते हैं, वे यह भी अच्छी तरह से जानते हैं कि उससे बड़ा कसाई आज तक पैदा नहीं हुआ। वह तो सरिस्का का वीरप्पन था।

उस पर 850 बाघों की हत्या का आरोप था। उसने 2004 में राजस्थान के सरिस्का अभयारण्य में बाघों की पूरी बस्ती का ही खात्मा कर दिया था। बाघों के अलावा उस पर कुल 5 हज़ार जंगली जानवरों के शिकार का भी आरोप था। वह इनका शिकार करके उनके चमड़े और दांत का बड़ा व्यापारी था। उसने करीब 50 हज़ार भेड़ियों और सियारों का भी शिकार किया था।

ऐसा नराधम कैंसर से मर गया। लोगों का मानना है कि उसकी मौत इतनी आसानी से नहीं होनी थी। उसकी मौत इससे भी बदतर होनी थी। दिल्ली के सदर बाज़ार से अपनी ज़िन्दगी शुरू करने वाले संसारचंद को इस हालत में लाने के लिए हमारे देश का भ्रष्ट तंत्र ही दोषी है। वन विभाग के रि वतखोर अधिकारियों के कारण ही वह इतना आगे बढ़ पाया। इतने जानवरों की हत्या के आरोपी इस व्यक्ति को सरकार ने केवल तीन साल की सज़ा दी थी। उसके बारे में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर संसारचंद को छोड़ दिया गया, तो वह इंसानों की खाल भी बेच देगा।

1974 में संसारचंद जब पहली बार बाघ और चीते की 680 खालों के साथ पकड़ा गया, तो लोगों की नज़रों में पहली बार सामने आया। तब तक उस पर 57 मामले चल रहे थे। उसके साथ उसकी पत्नी, पुत्र और भाई भी शामिल थे। इसके पहले वह केवल 16 वर्ष की आयु में पकड़ा गया था। उस समय उसे बहुत ही मामूली सज़ा हुई थी। उम्र को देखते हुए हाई कोर्ट ने उसकी सज़ा कम कर दी थी।

सज़ा पूरी कर जब वह जेल से बाहर आया, तब उसने जो हरकतें कीं, उससे पर्यावरण प्रेमियों को लगा कि उसे और सज़ा मिलनी थी क्योंकि सज़ा पूरी करने के बाद वह वन्य प्राणियों के लिए काल बन गया। उस पर वन्य प्राणियों की हत्या का केस चला। परंतु वन विभाग के रिश्वतखोर अधिकारियों द्वारा साक्ष्य ठीक से न जुटाए जाने के कारण उसे वैसी सज़ा नहीं हो पाई, जिसका वह वास्तविक रूप से हकदार था। हर बार वह कानून के जाल से छिटक जाता था। इसीलिए कुछ समय बाद ही वह बाघों के चमड़े का अंतर्राष्ट्रीय व्यापारी बन गया। आश्चर्य यह है कि वह बिना किसी भय के सरिस्का में बाघ का शिकार करता था। उसके लिए किसी भी प्रकार की रोकटोक नहीं थी। समझा जा सकता है कि वन विभाग में उसकी कितनी पैठ थी।

राजस्थान पुलिस ने 2004 में जब संसारचंद के परिवार के पास से उसकी गोपनीय डायरी कब्ज़े में ली, तब पता चला कि उसने 40 बाघों और 400 चीतों के चमड़ों के सौदे किए थे। ये सौदे अक्टूबर 2003 से सितम्बर 2004 के बीच यानी केवल 11 महीनों में ही हुए थे। इस बारे में जब संसारचंद से पूछताछ हुई, तब उसने कबूला कि उसने बाघ के 470 और चीते के 2130 चमड़े नेपाल और तिब्बत के ग्राहकों को बेचे हैं। सितम्बर 2004 में जब उसके पास से बाघ के 60 किलो जबड़े बरामद किए गए, तब सभी चौंक उठे थे।

सरिस्का में उसका इतना अधिक आतंक था कि उसने एक के बाद एक सैकड़ों बाघों को मार डाला, परंतु प्रशासन पूरी तरह से अनजान ही बना रहा। वन विभाग भी चुपचाप केवल उसका तमाशा देखता रहा।

वन्य प्राणियों के चमड़े और जबड़ों की मांग हमारे देश की अपेक्षा चीन में अधिक होने के कारण संसारचंद ने तगड़ी कमाई की। चीन में बाघ के अंगों से कई चीज़ें बनाई जाती हैं। इससे उसकी कमाई और बढ़ने लगी। तब वह और अधिक बाघों का शिकार करने लगा। कुछ समय बाद तो

वह इसका इतना अधिक आदी हो गया था कि जब तक वह बाघ का शिकार न कर ले, उसे चैन नहीं मिलता था। बाद में वह वन्य प्राणियों को ज़हर देकर मारने लगा।

वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ के कार्यकर्ताओं ने जब यह बताया कि ल्हासा में बाघ और चीते के चमड़े खुले आम बिक रहे हैं, तब सरकारी तंत्र जागा। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। चीन के लोग बाघ और चीते के चमड़ों की मुंहमांगी कीमत देने को तैयार थे। इसलिए वह अधिक से अधिक बाघों का शिकार करके मांग के अनुसार पूर्ति करता था। संसारचंद के खिलाफ कार्रवाई के लिए जब चारों तरफ से दबाव बढ़ने लगा, तब सीबीआई ने उसके खिलाफ 2005 में 'मकोका' लगाया। उसकी पत्नी रानी, पुत्र अक्ष और भाई नारायण चंद के खिलाफ विभिन्न अदालतों में मामले लंबित हैं। 2010 में संसारचंद की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह पिछले 30 सालों से यह गैरकानूनी धंधा कर रहा है। अब वह इस धंधे का आदी हो चुका है। इसलिए अदालत नरम रवैया नहीं अपना सकती। उत्तर प्रदेश और राजस्थान की अदालतों में भी उसके खिलाफ कई मामले लंबित हैं। पिछले 18 मार्च को वह कैंसर से ग्रस्त होकर इस दुनिया से चला गया, और लाखों मूक जानवरों और अनेक पर्यावरण प्रेमियों के लिए एक राहत भरी खबर छोड़ गया।

ऐसा केवल हमारे ही देश में हो सकता है कि पर्यावरण के दुश्मन को मात्र कुछ वर्षों की सज़ा हो। यदि देश में पर्यावरण के खिलाफ काम करने वाले या पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों पर कड़ी सज़ा का प्रावधान हो, तो संसारचंद जैसे लोग पनप ही न पाएं। दूसरी ओर, यदि कोई लगातार बाघों का शिकार कर रहा है, उनकी खालें बेच रहा है, तो कहीं न कहीं उसे वन विभाग की शह मिली होगी। संसारचंद ने वन विभाग के अधिकारियों को जमकर रि वत दी होगी, इसीलिए वह अपना व्यापार इस पैमाने पर बढ़ा पाया। यदि रि वतखोर अधिकारियों पर शिकंजा कसा जाए, तो भविष्य में संसारचंद पैदा होने की संभावना को खत्म नहीं, कम अवश्य किया जा सकता है। ***(स्रोत फीचर्स)***

इस अंक के चित्र निम्नलिखित स्थानों से लिए गए हैं -
page 02 - http://digitaldnamarketing.com/wp-content/uploads/2014/02/Dna-strand-large.jpg
page 04 - http://i.telegraph.co.uk/multimedia/archive/02597/pills_2597993b.jpg
page 06 - http://static.squarespace.com/static/519fc518e4b046d94a9788ad/t/532051fde4b0a7434b8eaf9b/1394627070718/Sloth-Moth-Algae%20Relationship.jpg
page 08 - http://www.weightlossfaqs.co.uk/wp-content/uploads/2013/11/exercise.jpg
page 09 - http://www.standeyo.com/NEWS/06_Earth_Changes/06_Earth_Change_pics/061117.Tibetan.Plateau.jpg
page 11 - http://upload.wikimedia.org/wikipedia/commons/7/7a/TTTS_laser_cartoon.JPG
page 13 - http://3.bp.blogspot.com/-OjxEmc45ExE/TfjM1vzCm8I/AAAAAAAAAZ8/qwbzErCWSQo/s400/heat-stroke-symptoms.gif
page 17 - http://i.dailymail.co.uk/i/pix/2013/01/09/article-2259883-16D7232D000005DC-933_634x415.jpg
page 19 - http://funguerilla.com/images/strange-weird/edibleinsects/edibleinsects01.jpg
page 20 - http://lifewords.org/wp-content/uploads/2014/02/Speak_JPG.jpg
page 21 - http://i.dailymail.co.uk/i/pix/2014/05/07/article-2622056-1D5314B700000578-48_306x423.jpg
page 22 - http://extras.mnginteractive.com/live/media/site568/2014/0421/20140421_075842_ssjm0422stowaway90-01_400.jpg
page 23 - http://www.euclidlibrary.org/images/tickle-your-brain/bears-hibernation.jpg?sfvrsn=0
page 30 - http://www.iloveindia.com/indian-heroes/pics/meghnad-saha.jpg
page 37 - http://images04.olx-st.com/ui/18/44/08/1328983563_314393608_1-Pictures-of--ZEBRA-FINCH-BIRDS.jpgpage 37 - http://edge.liveleak.com/80281E/u/u/thumbs/2011/Jul/13/bc568949d0c2_sf_1.jpg